रात्रि क्लास 13-11-68 ओमशान्ति शिव बाबा याद है?

हम सभी भाईयों अथवा बहनों को एक बाप पढ़ाते हैं। लेना कुछ भी नहीं। उनके पास लेने की बात ही नहीं। देने की बात है। बच्चों को तो खुशी का पारा चढ़ना चाहिए। यह तो सभी जानते हैं वह बाप टीचर गुरु है। वह भी जानते हैं बाबा बेगर टू प्रिन्स बनाने गैरन्टी उठाई है। सिर्फ बच्चे पद पा नहीं सकते हैं। ताकत रखना चाहिए। नाम ही है सहजराज सहज ज्ञान। सकण्ड में जीवनमुक्ति। परन्तु बच्चों में ताकत नहीं जो याद कर सकें। बच्चे होकर और बाप को याद न करें तो वरसा कैसे पा सकते हैं। बाप कहते हैं मुझे याद करते रहो। दैवी गुण धारण करो तो विश्व के बादशाही देंगे। बड़ा सहज भी है। सृष्टि के आदि मध्य अन्त को जानो। स्वदर्शनचक्रधारी बनो। कितना सहज है। स्वदर्शनचक्रधारी तुम हो। तुम्हारे लिये यह एम्आब्जेक्ट है। स्वदर्शनचक्रधारी बनने से फिर तुम राजधानी पा सकते हो। बड़ा मुश्किल पाते हैं। बच्चों को बड़ा वन्डर लगना चाहिए। बाबा की समझानी बड़ी वन्डरफुल बहुत सहज है। वन्डरफुल दुनिया का मालिक बनना है। माया के सब वन्डर्स कहते हैं। वह है नर्क के वन्डर्स। स्वर्ग है एक वन्डर। तुम बच्चों को लक्की सितारे कहा गया है। बाप कहते हैं तुम श्रीमत पर अपने लिये धर्म की स्थापना करते हो। यह बहुत सुख देने वाला है। कितना शीतल झाड़ होगा। सोने हीरे चमकते रहेंगे। 5तत्व भी तुम्हारे आर्डर में रहते हैं। बच्चों को यह सिमरण करते हर्षित रहना चाहिए। पुरुषार्थ कर ईश्वरीय लाटरी जीतनी है। यह ईश्वरीय लाटरी है 21 जन्मों लिये। नम्बरवार पुरुषार्थ अनुसार लाटरी पानी है। और धंधा आदि छोड़ इस लाटरी पाने में लग जाना है। रोटी टूकड़ तो मिलता ही है। न बहुत ऊंच न बहुत नीच। आत्मा के लिये भोजन यह एक ही है। जो रोज खाना चाहिए। रोज न खावेंगे तो घाटा पड़ जायेगा। और अपने को गाडली स्टुडन्ट समझो। हमको ईश्वर पढ़ाते हैं। यह भी याद रहे तो तुमको खुशी हो। स्टुडन्ट को तो बहुत खुशी होनी चाहिए। अच्छा रूहानी बच्चों को रूहानी बाप दादा का याद प्यार गुडनाईट और नमस्ते।

रात्रि क्लास 17-11-68 :-

********** तुम बच्चों को कैसी नई2 बातें बाप सुनाते हैं। बाप भारत में ही आते हैं। भारत में ही बच्चों को पढ़ाते हैं और अपनी पहचान देते हैं कि इस झाड़ का बीज रूप मैं हूं। सभी आत्माओं का बाप हूं। बीज रूप बाप ही ठहरा। तो बाप होने की हैसीयत में बाप वरसा देते हैं। और यह भी सिध होता है बाप से वरसा मिलता है। यहनहीं समझते हैं रावण से सराप मिलता है। भक्तिमार्ग में भी कहते हैं बाबा आप आवेंगे तो सौदा करेंगे। बहुत सौदा खुशी से भी करते हैं। कोई तंग दिल हो लाचार सौदा करते हैं। बाप से सौदा करने वाला बहुत बहादुर चाहिए। क्योंकि वीरता दिखलानी है जरूर। ब्राह्मण की माला कैसेट बन नहीं सकती है। क्योंकि पिछाड़ी तक लड़ाई चलती रहती है। पिछाड़ी में लड़ाई भी करनी होती है तो जरूर हराते होंगे। समझ में आता है हरा सकते हैं। माला बननी जरूर है। जो फिर भी भक्ति फेरी जावेंगी। वहां तो खुद देवतायें हैं। पूज्य हैं। वह तो अपनी माला नहीं फेरेंगे। पुजारी माला फेरते हैं। फिर पिछाड़ी पूज्य बनेंगे। वास्तव में जब कियामत का अन्त होता है तो एक ही बाप जो कि टीचर भी है, गुरु भी है वह सहज याद पड़ता होगा। ऐसे कोई मनुष्य अपने को बाप टीचर गुरु कह न सके। इस हिसाब से शिव बाबा बहुत याद पड़ना चाहिए। परन्तु माया इतनी सहज बात भुलवा देती है। माया का धंधा ही है भूलना। इसीलिये इसका नाम भी भूल भूलईया रख दिया है। शोभता भी अभी हैं। बाप कहते हैं तुम मुझे याद करो। माया भूला देती है। माया का मुखधंधा है याद भूलाना। वह बाप का बने फिर माया अपना बना लेती है। माया बड़ी जबरदस्त है। राजाई भी इस रावण की ही चलती है। रावण हराती है तो राम सम्प्रदाय की जीत होती है। अभी तुम बच्चों की बुद्धि में है। शास्त्रों में तो बहुत रंग बातें लिख दी हैं। समझाना पड़े ना। गीता में जो युध दिखाया है असुरों और देवताओं की या कौरवों और पाण्डवों की युध। यह हुई नहीं है। [illegible]

समझाते हो। परन्तु किसकी बुधि में बैठता ही नहीं जो अखबार में डाले। राम रावण वा राम के बच्चों आदि की युध लगी हुई नहीं है। यह ग्लानी की बातें हैं। बच्चे सीता को कड़ी ग्लानी है यह। बातें मानने लायक नहीं हैं। हम ऐसी बातें सुनना पसन्द नहीं करते हैं। ऐसे समझाओ तब सभा में भाषण आदि करे। तो कहेंगे यह तो राईट है। ऐसी2 दन्त कथाएं से हम सभी बुधि भ्रष्ट हो गई है। तुम्हारा नाम बाला जरूर होना है। आगे तो बहुत ही हैं ना। ऐसे2 तैर समझाओ। हियर नो ईवील .... बोलो यह नुकसान करने वाली ईवील बातें हैं। देवताओं को ग्लानी है। भगवानुवाच ऐसी ग्लानी जब होती है तो बाप ही आकर बतलाते हैं यह अति धर्म की ग्लानी है। ऐसी2 पायन्टस बुधि में हो जो समय पर दे पक्का कराया जाये। आगे चल बहुत ही सुनेंगे सुनने का है जरूर। बहुत हो जावेंगे तो फिर झट मानेंगे। और जो भी झूठी बातें मुख्य2 हैं बड़े2 बोर्ड पर लिख दो। बाबा ने कहा था बाययात बातें सभी लिखो। यह सभी बातें सुनने से भारत पतित हुआ है। पावन बनाने वाला बाप ही हैं। वही कहते हैं मुझे याद करो तो पाप भस्म हो जाये। यूं भी तुम बच्चों को यही समझाना है। मुख्य बात है यह। तुम पैगाम देते हो भगवानुवाच अपन को आत्मा समझ देह के सभी सम्बन्धों को तोड़ मामेकं याद करने से सभी पाप भस्म हो जावेंगे। और सृष्टि चक्र को याद करने से सतयुगी हैविन के मालिक बन जावेंगे। ऐसे2 अक्षर एड कर बहुत अच्छा कर के बनाना है। मुझे अपने बाप को निरन्तर याद करो। याद करने से वरसा पा लेंगे ड्रामा पलेन अनुसार होवनहार विनाश के पहले। बाबा कहते तो हैं। टिन पर लिखकर बड़े2 स्थानों पर लगाओ। एक तरफ मनुष्य एक तरफ देवताएं। पहले लिखकर इस तरफ मनुष्य उस तरफ देवता। ऐसे2 कुछ न कुछ लिखकर बड़े2 म्युजियम में बोर्ड लगा दो। यह है मुख्य बात। अपन को आत्मा समझ देह के सभी सम्बन्धों को छोड़ मामेकं याद करो तो तुम सदगति को पावेंगे कल्प पहले मिसल। ऐसे2 बोर्ड बड़े2 स्थानों पर लगा दो। बाबा ऐसे2 बताते तो बहुत ही हैं। जैसे ट्राम बस में भी लगाते हैं। यह लगावे तो अच्छा है। बड़े बड़े जंक्शन पर बड़े2 बोर्ड हों। यह है मूल मंत्र। बच्चे लिखकर सामने ले आवे तो टीचर भी आफरीन देंगे। अच्छे2 सेन्सीबुल बच्चे लिख सकेंगे। बाकी के लिये समझेंगे इतना सेन्स नहीं हैं। नहीं लिख सकते हैं। बाबा लिख देंगे मोस्ट परामीनेन्ट जगह पर रखो तो समझेंगे। यह बातें अखबार में भी लगा सकते हैं। तुम बच्चों को भी एपरेटेड करेंगे। यह मूल बात है जो गीता में भी है। हम लिखते तो हैं गीता ज्ञान दाता शिवभगवानुवाच तो बहुतों के नजर जावेगी। समझेंगे यह तो गीता ही है। तुम्हारे पास तो देवताएं के भी बहुत चित्र हैं। तुम समझाते हो असली चीज पर। जिसको मनुष्यों ने नकली बनाये दिया है। स्थापना के चरित्र सभी भगवान के हैं। एक्युरेट टोटके लिखने से एप्रीटेड करेंगे। विनाश का समय जब नजदीक आवेगा तो फिर इन बातों पर जोर करेंगे। आगे चल बहुत ऐसे निकलेंगे जो तुम्हारे साथ चली आवेंगे। ब्रह्माकुमारियों का नाम बाला तो होना ही हैं। समझ जावेंगे बरोबर इन्हों को परमपिता शिव परमात्मा पढ़ाते हैं। ज्ञान का सागर ही यह ज्ञान देते हैं। ज्ञान का सागर कृष्ण को नहीं कहा जाता है। कल्प कल्प ऐसी युक्तियां रचते आये हैं। यह तो निश्चय है तुम बच्चे अपना राज्य स्थापन कर ही दिखावेंगे। बाप भी है ना। बच्चे कहते है बाबा हम भी आप के मददगार बनते हैं। जो मददगार बनेंगे वही वरसा पावेंगे राजधानी का। जैसे जो मदद करेंगे वैसे ही वरसा पावेंगे।

पाण्डव गवर्मेन्ट कब कौरव गवर्मेन्ट से कब भीख नहीं मांग सकती है। वह तो भीख मांगने आते ही हैं। दिन प्रति दिन भीख जरूरी मांगते रहते हैं। चन्दा इकट्ठा करते रहेंगे। भीख तो चलती रहेगी। अच्छा मीठे2 रूहानी बच्चों को रूहानी बाप बाप दादा का याद प्यार गुडनाईट रूहानी बच्चों को रूहानी बाप का नमस्ते।